इन्टीरियर डिजाईनिंग क्या है ?

यह अवधारणा कि इन्टीरियर डिजाईनिंग किसी वर्ग विशेष का प्रतीक है जहाँ स्टाईल और हैसियत को विस्मित व अंचम्भित करने के लिए व्यक्त किया जाता है एक मिथक है। अपने सरल रूप में यह आपके मकान को घर में बदलने का तरीका है। क्योंकि यह आपके विस्तृत व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है अत: आप इसे किसी भी मानक स्तर पर ले जा सकते है।

परन्तु यही काम एक पेशेवर के तौर पर करने के लिए हमें काफी समझ, प्रयास, निखार और उसका क्रियान्वयन नवीनता व आकर्षण के साथ आपके उद्देश्यों के अनुकूल, पसंद, प्रयोग, जगह व स्तर के अनुरुप साथ ही उपयोगिता को ध्यान में रख कर करना होता है।

अत: इंटिरियर डिजाईन मूलत: इनोवेशन एवं डिजाईन पर आधारित वस्तुओं के प्रयोजन और सौन्दर्यपूर्ण तरीके से संग्रहण व सृजन करना होता है ताकि वह एक पूर्णतया अदभुत व विशिष्ट वातावरण का निर्माण करे और इस स्तर पर पहुंचने पर यह थोड़ा मंहगा हो जाता है।

किसी भी नवीन वस्तु का निर्माण नवीनता व अभिनवता के स्तर पर करना ना तो सरल कार्य है और न ही निश्चित गणित। अत: अनुमान व बजट सम्मिलित पक्षों को अपने-अपने लाभ के स्तर तक नियन्त्रण में रहने का मार्गदर्शन मात्र है।

नोट - डिजाईनर चीजों के लिए हमेशा बड़ें दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है अत: आपका बजट डिजाईनर के अनुमान से 25 प्रतिशत अधिक होना चाहिये। विशेषकर के वहाँ जहाँ डिजाईनर नवीनता व अभिनवता पर आधारित कार्य कर रहा है और यह सम्पूर्ण राशि आपके पास परियोजना के कार्यकाल में उपलब्ध रहनी चाहिए।

इन्टीरियर डिजाईनर की आवश्यकता क्यों है ? इन्टीरियर डिजाईनर क्या करता है ?

यह हकीकत है कि आप अपनी आवश्यकता के सबसे उपयुक्त डिजाईनर है क्योंकि आपको अपने उद्देश्यों की एकदम सटीक जानकार है व अपनी पसंद के सबसे सही पारखी है और आर्थिक दृष्टिकोण से अपने स्वयं उत्तरदायी एवम् शुभचिन्तक है।

अत: यदि आप समझते है कि आप निर्माण, सृजन, अभिनवता, कार्यान्वन, निरीक्षण व देख-रेख करने में निपुण है तो सबसे पहले खुद प्रयास करके देखें। आपकी विफलता भी आपके लिए एक नया अनुभव होगा। और

यदि आपके निकटता में ऐसा कोई व्यक्ति है जो भरोसेमंद है व आपके फायदे की सलाह अव्यवसायिक तौर से मुफ्त देने में इच्छुक रहता हो तो अपने उस कार्य की अगली जिम्मेदारी उसे दे कर देखिये जो कार्य आप किसी अत्यधिक खर्चीले पेशेवर से करवाना चाहते है।

क्योंकि कोई भी पेशेवर उसी कार्य को करने के लिए अपनी शैली व तरीका, विधि व व्यवस्था, सुगमता व प्रतिष्ठा भी सम्मिलित करेगा।

अत: इंटीरियर डिजाईनर वह पेशेवर व्यक्ति है जो आपकी आवश्यकता को पहले ग्रहण करता है, फिर आपके उद्देश्यों को समझता है, आपकी पसंद को परखता है और फिर अपने विवेक से कुछ संघटक सम्मिलित कर एक वैचारिक खाका तैयार करता है ताकि उस पर एक विषय वस्तु आधारित हो सकें और उसे डिजाईन में बदल कर पूरे माहौल को परिवर्तित कर इस तरह से प्रस्तुत करता है कि वह आपकी स्वीकार्यता के साथ हकीकत का रूप ले सके।

नोट :- छोटी सोच व कंजूस प्रवर्त्ति वाले, घटिया पसंद व संकिर्ण विचारों वाले, गरम स्वभाव व संक्षिप्त दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों को इंटिरियर डिजाईनर से बचना चाहिए क्योंकि वह उनके जिन्दगी की मूल अवधारणा के विरूद्ध कार्य करते है।

इन्टीरियर डिजाईनर का चयन केसे करें ?

सबसे प्रथम व मुख्य बात जो समझने की है वह यह कि कला, डिजाईन, अभिरचना, सृजनता व रचनात्मकता में कोई नम्बर एक, दो, तीन या चार नहीं होता। कभी-कभी बहुत बढ़िया डिजाईन भी वास्तविकता से कोसों परे होती है और वहीं एक सरल वास्तविकता एक अद्‌भुत डिजाईन का रूप ले लेती है और अपनी उपयोगिता सिद्ध करती है।

इसलिए सबसे पहले जाँचे व परखे की डिजाईनर ने किन परियोजनाओं पर काम किये हैं, और कर रहा है। उसमें उसकी अपनी सृजनता का क्या स्तर है और उसे सम्पूर्ण भी किया है।

फिर देखिए की वह आपकी पसंद व स्तर के आस-पास भी है अथवा नहीं। उसकी डिजाईनिंग की समझ, उसकी रचनात्मकता, सृजनता और कार्य करनी की शैली कैसी है।

फिर उसके कार्य करने के तरीके की जानकारी लीजिये, उसकी प्रतिष्ठा और पृष्ठभूमि जाँचिये ना सिर्फ उसके ग्राहकों से क्योकिं (वह बडप्पन अथवा तुच्छता दिखा सकते है) वरन सप्लायर, ठेकेदारों और माध्यम जिसे बाजार कहते है।

यह भूल जायें कि वह किस कीमत की मांग कर रहा है और किस कीमत पर कार्य करने को तैयार हो रहा है। क्योकिं अगर वह एक बार आपका विश्वास, घर, ऑफिस या प्रतिष्ठान का अल्प काल के लिये ही सही सर्वेसर्वा हो गया तो उसके पास कई अन्य तरीके है उन चीजों को प्राप्त करने के जो वह असल में प्राप्त करना चाहता है।

नोट :- बहुत अधिक खाली समय वाले व्यक्तियों को परियोजना के दौरान कुछ दूरी बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि अत्यधिक हस्तक्षेप गुणवत्ता व रचनात्मकता दोंनो को अवरोधित करता है।

नियम एवं शर्तें :

0. कोई भी राय, मिटिंग अथवा विजिट व्यवहारिक व अप्रांसगिक नहीं समझी जायेगी। (चाहे परियोजना का उत्तरदायित्व लिया गया है या नहीं) और 1000/- रूपये प्रति विजिट देय होगा।
1. किसी भी उत्तरदायित्व का प्रारम्भ तब तक नहीं होगा जब तक कि एडवान्स जो कि प्रतिकात्मक अप्रत्यार्पणीय राशि (व्यवसायिक परियोजना के लिए 10 हजार रूपये या परियोजना का 2 प्रतिशत जो भी अधिक हो) और घरेलू परियोजनाओं के लिए 20 हजार रूपये या परियोजना का 2 प्रतिशत जो भी अधिक हो) का समायोजन सम्बन्धित खाते में नहीं हो जाता है।
2. यदि एक बार ड्राईंग को अंतिम रूप में सभी विवरण सहित स्वीकृत कर लिया गया है तो आंक्षिक बदलाव ही स्वीकार किये जायेगें अन्यथा उसे नई परियोजना माना जायेगा।
3. किसी भी निर्माण कार्य की राय व जरूरत हमारे इंटिरियर डिजाइनिग का हिस्सा नहीं होगा उसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व अलग से रहेगा।
4. डिजाईन, नक्शा और थ्री डी का सम्पूर्ण भुगतान कार्य प्रारम्भ होने से पहले सभी आवश्यक विवरण सहित प्रिन्टआउट प्राप्त करतें ही अदा हो जाना चाहिये। (व्यवसायिक व संस्थागत परियोजनाओं में अग्रलिखित चैक द्वारा भी इस नियम की पालना समझी जायेगी)
5. निरीक्षण व देख-रेख कार्य के भुगतान की अदायगी दो भागों में (यदि वह व्यवसायिक) एवम् पाँच भागों में (यदि वह घरेलू) परियोजना है व उसे चैक नम्बर के रुप में दर्ज करना होगा।
6. यदि कोई भी भुगतान एक तर्क संगत समय के पश्चात् अभुक्त रहता है तो परियोजना, उसकी समयसीमा, सम्बधित व्यक्तियों और परियोजना के समापन की जिम्मेदारी हमारी नहीं होगी। साथ ही किसी भी चैक के असम्मनित होने पर परियोजना उसी समय से रोक दी जायेगी।
7. एक पूर्ण कालीन देख-रेखकर्त्ता/ निरीक्षण कर्त्ता अथवा चौकीदार सबसे पहली व प्रमुख आवश्यकता है। साथ ही वैध बिजली सप्लाई, दो मल्टी पिन एक्सटेन्शन, दो ट्यूबलाईट, पंखे (गर्मी में), शुद्ध पीने का पानी और दोनों अन्तरालों के लिए सभी कारीगरों के लिए चाय की जिम्मेदारी ग्राहक की रहेगी।
8. यदि अलग से निर्देशित नहीं किया गया है तो सभी तय प्रतिशत प्रमाणिक तरीके से ही गणना किये जायेगें।
9. हमारे द्वारा बताये गये व्यक्ति व वस्तु का प्रयोगात्मक दायित्व ही स्वीकार किया जाएगा व अन्य सभी दायित्व ग्राहक पर निर्भर करेगें।
10. इन्टीरियर कार्य मूलतः कॉन्ट्रेक्टर व लेबर आधारित होता है जो कि सामाजिक व पौराणिक विचारधारा में बंधे होते है अतः किसी भी प्रकार की देरी मात्र खेद जनक रहेगी।
11. किसी विशिष्ट परिस्थिति में दिये गये वचन व की गई खरीद की सम्पूर्ण जिम्मेदारी ग्राहक की रहेगी व उस वचन व राशि का निस्तारण जितनी जल्दी हो सके करना होगा।
12. यदि ग्राहक किसी बाहरी ठेकेदार की सेवा में रूचि रखता है तो उसकी कार्यप्रणाली ओर समयबद्धता की जिम्मेदारी भी ग्राहक पर रहेगी।
13. यदि कोई इलेक्ट्रीकल उत्पाद विशिष्ट तरीके से लगाया जाना है तो उसे परियोजना की वस्तु में सम्मिलित माना जायेगा।
14. परियोजना के दौरान हुए किसी भी आकस्मिक माली नुकसान की जिम्मेदारी ग्राहक की होगी।
15. सिवाय सर्विस टेक्स के अन्य सभी कर व मदों के भुगतान का दायित्व ग्राहक का होगा।
16. बाहरी क्षैत्रों की परियोजनाओं में अतिरिक्त प्रभार लगेगा जो दूरी, साधन, ठहरने व रहने व खाने पर निर्भर करेगा।
17. यह नियम एवं शर्तें तय परियोजना के निश्चित समय के लिये ही लागू रहेगी। अवांछित देरी का प्रभार अलग से देय होगा।
18. सभी भुगतान चैक द्वारा इनोवेशन एनं डिजाईन, भीलवाड़ा के नाम पर किये जायेगे।
19. सभी विवादों का न्याय क्षैत्र भीलवाड़ा रहेगा।

शपथ

मैं / हम यह भली प्रकार समझते है कि किसी भी सृजन ओर नव निर्माण की सबसे प्रमुख व महत्वपूर्ण आवश्यकता है पर्याप्त राशि की उपलब्धता, उस कार्य की सम्पूर्ण रुपरेखा, सम्बन्धित वस्तु की समय पर उपलब्धता, अलग-अलग निपुणता वाले कुछ व्यक्तियों का व्यवहारिक समायोजन, थोड़ा समय और अनुकूल परिस्थितियाँ जिसमें परियोजना का क्रियान्वयन सम्भव हो। इसके साथ ही समय-समय पर निरीक्षण व देखभाल की भी आवश्यकता होती है ताकि कार्य तय मापदण्डों पर प्रगतिशील रहें।

इसलिए मैं/हम ..... पद ..... मोबाइल ..... पता .... शहर ..... राज्य .... हमारे ..... पता ..... शहर ..... राज्य .... के लिए इनोवेशन एन डिजाईन,भीलवाडा द्वारा दी जाने वाली नक्शा व लेआउट / नक्शा व निरिक्षण / नक्शा व सम्पूर्ण सुपरविजन सेवा में रूचिकर है।

मैं / हम उपरोक्त वर्णित नियम व शर्तों को भली भाँती समझते है और परियोजना के दौरान आने वाली कार्यवाहक व वैश्विक जिम्मेदारियों को स्वीकार करते हैं। मैं/हम वादा करते है कि हम हर सम्बन्धित व्यक्तियों को बिना अवांछित कांट-छांट, देर व बहाने के भुगतान करेगें।

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
सीाान	तारिख	प्रमाणिक